श्रीमती श्यामादेवी
डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

(डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से सम्बद्ध)

श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट
श्रद्धावान लभते ज्ञानम्

सिसवाँ, रामपुर सकरवारी – अम्बेडकर नगर
(बी0 एड0)

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

सत्र : 201.....-201.....

छात्राध्यापक / छात्राध्यापिका का नाम आभा द्विवेदी

शैक्षिक योग्यता B.ed 1st year

महाविद्यालय अनुक्रमांक.................................

विश्व विद्यालय अनुक्रमांक 21533629

शिक्षण विषय Biological Science

INDEX

पाठ रूल संख्या	विषय	पाठ का प्रकरण	पृष्ठ संख्या
1.	जीव विज्ञान	पाचन	1
2.	,,	प्रकाश संश्लेषण	–
3.	,,	कीटो से लाभ	–
	,,	व हानि	–
4.	,,	बीमारी	–
5.	,,	दांत	15

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक........ 18/11/...

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या – 1

कौशल – श्यामपट्ट लेखन कौशल

विद्यालय का नाम – श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

छात्राध्यापिका का नाम – आभा द्विवेदी

दिनाँक	कक्षा	विषय	उपविषय	समय	कालाँश
15-03-21	6th	विज्ञान	जीव विज्ञान	5-6 मिनट	Ist

प्रकरण – पाचन

सामान्य उद्देश्य –

1. बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करना ।
2. बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना ।
3. तार्किक क्षमता का विकास करना ।
4. विज्ञान की उपयोगिता व महत्व बताना ।
5. बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना ।

सहायक सामग्री – श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट, आदि ।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पूर्वज्ञान— बच्चे पाचन के बारे में सामान्य जानकारी रखते है।

प्रस्तावना प्रश्न —

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र / छात्रा क्रिया
1.	भूख लगने पर हम क्या करते हैं ?	भोजन
2.	भोजन को हम कैसे ग्रहण करते हैं ?	मुँह के द्वारा
3.	मुँह के बाद भोजन कहाँ पहुँचता है ?	पेट, आमाशय
4.	आमाशय में भोजन के साथ क्या होता है ?	पाचन
5.	पाचन के बारे में क्या जानते हो ?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन— बच्चो ! आज हम लोग पाचन के बारे में विशेष अध्ययन करेंगे।

स्पष्टीकरण —

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	कौशल के घटक
भोजन में अघुलनशील	छात्र मौनपूर्वक सुनेंगे	सभी घटकों

SMT. SHYAMA DEVI
Degree college of Science & Management

भोज्य पदार्थों को सरल तथा घुलनशील अवस्था में बदलने की क्रिया को पाचन कहते है। मनुष्य में यह क्रिया निम्नलिखित अंगो द्वारा सम्पन्न होती है – 1. मुखगुहा 2. भोजननली 3. आमाशय 4. छोटी आँत 5. बड़ी आँत 6. मलाशय एवं गुदा	व देखेंगे।	का प्रयोग किया गया।

गृहकार्य –

[1] पाचन क्या है?
[2] पाचन के अंगो के नाम लिखिए?
[3] भोजन से हमको क्या मिलती है?

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या-2

कौशल — पुनर्बलन कौशल

विद्यालय का नाम — श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

छात्राध्यापिका का नाम — आभा द्विवेदी

दिनांक	कक्षा	विषय	कालांश	समय
16-03-21	6^{th}	जीव विज्ञान	VI	5-6 मिनट

प्रकरण — "प्रकाश संश्लेषण"

सामान्य उद्देश्य —

1. बच्चों में मानसिक एवं तार्किक क्षमता का विकास करना।
2. विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3. बच्चों में प्रयोग करने के कौशल का विकास करना।

पुनर्बलन कौशल के घटक —

1. प्रशंसात्मक प्रश्नों का प्रयोग।
2. छात्रों के सही उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखना।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

3. पुनर्बलन का समुचित प्रयोग।
4. छात्रो के सूझाव का समर्थन।

सहायक सामग्री–

श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान –

बच्चे प्रकाश संश्लेषण के बारे मे सामान्य जानकारी रखते है?

प्रस्तावना प्रश्न –

क्रमांक	छात्राध्यापिका कार्य	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
1.	हमे भूख लगती है तो हम क्या करते है?	भोजन	
2.	भोजन हम कहाँ से प्राप्त करते है?	पेड़ - पौधो से	
3.	पेड़ - पौधे अपना भोजन कहाँ से प्राप्त करते है?	प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया द्वारा	श्यामपट्ट पर लिखते हुए- प्रकाश संश्लेषण
4.	प्रकाश संश्लेषण से तुम क्या समझते हो?	समस्यात्मक	

उद्देश्य कथन –

बच्चो! आज हम प्रकाश संश्लेषण के बारे मे अध्ययन करेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

स्पष्टीकरण —

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	कौशल के घटक
पौधों में जल, प्रकाश पर्णहरित तथा कार्बन डाई-आक्साइड की उपस्थिति में कार्बोहाइड्रेट का निर्माण करते हैं। पौधे में भोजन (ग्लूकोज) बनाने की प्रक्रिया प्रकाश-संश्लेषण कहलाती है। $6CO_2 + 6H_2O \xrightarrow[\text{पर्णहरित}]{\text{सूर्य प्रकाश}} C_6H_{12}O_6 + 6O_2$	छात्र ध्यानपूर्वक देखेंगे व सुनेंगे।	सभी घटको का प्रयोग किया गया।

गृहकार्य —

1. प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया प्रायः किसमें देखने को मिलती है?
2. प्रकाश संश्लेषण किसे कहते हैं?

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या-3

कौशल – उद्दीपन वैभिन्न कौशल

विद्यालय का नाम – श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

छात्राध्यापिका का नाम – आभा द्विवेदी

दिनाँक	कक्षा	विषय	कालांश	समय
17-03-21	8^{th}	जीव विज्ञान	V	6-7 मिनट

प्रकरण – "कीटो से लाभ व हानि"

सामान्य उद्देश्य –

1. छात्रों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।
3. छात्रों में मानसिक व तार्किक शक्ति का विकास करना।
4. छात्रों को विज्ञान के तथ्यों की जानकारी देते हुए
5. उनकी बौद्धिक क्षमता का विकास करना।
6. छात्रों में प्रत्यास्मरण शक्ति का विकास करना।

उद्दीपन वैभिन्न कौशल के घटक –

1. शरीर संचालन करना।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

2. भाव - मुद्रा अभिव्यक्ति करना।
3. स्वर में आरोह अवरोह।
4. भाव केन्द्रीकरण करना।
5. छात्र शिक्षक परस्पर क्रिया प्रारूप परिवर्तन करना।
6. विराम का प्रयोग करना।

सहायक सामग्री—

श्यामपट्ट, चाक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान—

बच्चे कीटों से लाभ व हानि के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तुतीकरण—

क्रमांक	छात्राध्यापिका कार्य / प्रश्न	छात्र क्रियाएं / उत्तर
1.	कुछ ऐसे कीटों का नाम बताओ जिन्हे तुम प्रायः देखते हो।	मच्छर, चींटी मधुमक्खी
2.	किस प्रकार के मच्छर से मलेरिया रोग फैलता है।	मादा मच्छर
3.	टिड्डी से क्या हानि होती है। (टिड्डी दिखाते हुए)	टिड्डियाँ फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं।
4.	किस ढंग के कीट मानव को हानि पहुंचाते हैं? (एक छात्र की तरफ इशारा करते हुए)	दीमक, सरसों को नुकसान पहुंचाने वाले माहू, घुन आदि।

SMT. SHYAMA DEVI Begjee College of Science & Management

5.	इनके अलावा कुछ ऐसे कीटो के नाम बताओ जिनके द्वारा मानव को लाभ होते है?	मधुमक्खी, रेशम कीट आदि।
6.	रेशम का कोकून दिखाते हुए (ये क्या है)	यह रेशम है

स्पष्टीकरण –

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	घटक
कीटो से लाभ व हानि	कीट जैसे मधुमक्खी, रेशम का कीड़ा आदि ये मानव के लिए अत्यन्त लाभदायक कीट है। घरेलू मक्खी, मच्छर, घुन आदि ये कीट मानव के लिए अत्यन्त हानिकारक कीट है।	छात्र ध्यानपूर्वक देखेंगे व सुनेंगे।	सभी घटको का प्रयोग किया गया।

गृहकार्य –

[1] मच्छर काटने से कौन सा रोग हो जाता है?

[2] पाँच लाभदायक कीटो के नाम बताओ।

Ravvdi

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या-4

कौशल – व्याख्यान कौशल

विद्यालय का नाम – श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

छात्राध्यापिका का नाम – आभा द्विवेदी

दिनांक	कक्षा	विषय	कालांश	समय
18-03-21	8	जीव विज्ञान	VI	5-6 मिनट

प्रकरण – "बीमारी"

सामान्य उद्देश्य –

1. बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि जाग्रत करना।
2. बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना।
3. तार्किक क्षमता का विकास करना।
4. विज्ञान की उपयोगिता व महत्व बताना।
5. बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना।

सहायक सामग्री –
चाक, डस्टर, श्यामपट्ट, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान – बच्चे बीमारी के बारे मे सामान्य जानकारी

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

रखते है।

प्रस्तावना प्रश्न —

छात्राध्यापिका प्रश्न	छात्र क्रियाएं
1. बच्चों हम और आप बाजार में खुली चीजों को देखे होंगे?	चाट, मिठाई आदि
2. खुली वस्तुओं को खाने से क्या हो जाता है?	बीमारी
3. बीमारी से तुम क्या समझते हो?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन —

बच्चों आज हम बीमारी के बारे मे विशेष अध्ययन करेंगे।

स्पष्टीकरण —

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	छात्रक
बीमारी	बच्चों जब हमारे शरीर का कोई भी अंग सही से कार्य नहीं करता है जिसके कारण हमें बाहरी तौर पर कुछ लक्षण दिखाई देते है जैसे—बुखार आदि।	छात्र ध्यानपूर्वक देखेंगे व सुनेंगे	सभी छात्रको का प्रयोग किया गया।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

बीमारी के प्रकार	समयावधि के आधार से देखा जाए तो बीमारी दो तरह की होती है। 1. तीव्र रोग 2. जीर्ण रोग तीव्र रोग – ऐसी बीमारी जो थोड़े समय के लिए होती हैं जैसे – डेंगू आदि जीर्ण रोग - ऐसी बीमारी जो लम्बे समय के लिए होती हैं जैसे – टी० वी०		

गृहकार्य —

प्रश्न०
1. बीमारी कितने प्रकार की होती है?
2. जीर्ण रोग किसे कहते हैं?
3. बीमारी किसे कहते हैं?

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या - 5

कौशल - खोजपूर्ण प्रश्न कौशल

विद्यालय का नाम - श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

छात्राध्यापिका का नाम - आभा द्विवेदी

दिनाँक	कक्षा	विषय	कालांश	समय
19-03-21	7th	जीव विज्ञान	III	5-6 मिनट

प्रकरण - दाँत

सामान्य उद्देश्य -

1. छात्रों में मानसिक एवं तार्किक क्षमता का विकास करना।
2. विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3. छात्रों में प्रयोग करने के कौशल का विकास करना।

खोजपूर्ण प्रश्न कौशल के घटक -

1. संकेत देना।
2. पुनः केन्द्रीयकरण
3. पुनः प्रेषण
4. विस्तृत सूचना प्राप्ति।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

सहायक सामग्री – श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान – बच्चे दाँत के बारे में सामान्य जानकारी रखते है।

प्रस्तुतीकरण –

	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
1.	भूख लगती है तो हम क्या करते है?	भोजन	
2.	भोजन को किसकी सहायता से तोड़ा या चबाया जाता है?	दाँत	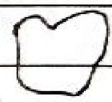 दाँत
3.	दाँत कितने प्रकार के होते है?	समस्यात्मक	

उद्देश्य कथन – बच्चो! आज हम दाँत के बारे में अध्ययन करेंगे।

स्पष्टीकरण –

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	घटक
दाँत	भोजन को हम अपने दाँतो की सहायता से काटते व चबाते है। दाँत मुख्यत: चार प्रकार की होती है। 1. कृन्तक 2. रदनक 3. अग्रचर्वणक 4. चर्वणक 1. कृन्तक ⇒ काटने का कार्य 2. रदनक ⇒ फाड़ने का कार्य 3. अग्रचर्वणक ⇒ पीसने और चबाने का कार्य 4. चर्वणक ⇒ पीसने व चबाने का कार्य।	छात्र ध्यानपूर्वक देखेंगे व सुनेंगे।	सभी घटको का प्रयोग किया गया।

गृहकार्य —

1. भोजन को किसकी सहायता से चबाते है?
2. दाँत कितने प्रकार के होते है?
3. कृन्तक का कार्य क्या होता है?

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management